BA Part II (V)

Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Rajnagar

Lecture III

जनजातियों की विशेषताएं => जनजातीय लोग बाह्य सांस्कृतिक प्रभावों से अपेक्षाकृत बचे रहते हैं। उनमें सामान्य रूप से समानता होती है तथा उनके पास सरल प्रविधि भी होती है। वे आत्माओं, जादू व भूत विद्या में विश्वास करते हैं। उनके अपने निषेध होते हैं जो उन्हें कुछ कार्यों को वर्जित करते हैं जो समुदाय, अलौकिकता व जादू के परिणामों से पीड़ित होते हैं। अधिकतर जनजातियाँ जीववाद में विश्वास करती हैं जिसके अनुसार सभी वस्तुओं चेतन और जड़ में स्थायी या अस्थायी रूप से आत्माएं रहती हैं। अगर कोई कार्य इन आत्माओं के कारण होता है। कुछ आत्माओं की पूजा की जाती है और कुछ का आदर किया जाता है। विद्वानों के अनुसार जीववाद -

2020-8-17 08:59

जनजातियों में धर्म का आरम्भिक स्वरूप था। जनजाति की प्रकृति को इसकी प्रमुख विशेषताओं के आधार पर निम्नांकित रूप से समझा जा सकता है—

1. क्षेत्रीय समूह - जनजाति समुदाय एक ऐसा समुदाय है जो एक निश्चित भू-भाग पर निवास करता है। कुछ जनजातियां ऐसी भी है जो खानाबदोश भी होती हैं अर्थात अपनी आजीविका अर्जित करने के लिए स्थान परिवर्तन भी करती है लेकिन इसके बाद भी वे किसी न किसी क्षेत्र में ही जीवन व्यतीत करती हैं।

2. समान भाषा - एक जनजाति समुदाय के सभी सदस्य समान भाषा का प्रयोग करते हैं। भाषा की यही समानता उनमें समानता की चेतना उत्पन्न करती है तथा इसी के द्वारा उनकी सांस्कृतिक विशेषताएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तान्तरित होती रहती हैं।

2020-8-18 09:16